नाम — प्रज्ञा आर्य

मो0नं0 — 7395052413

<u>सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका—</u>

<u>परिभाषा—</u> सतत विकास का आशय है संसाधनों का कम से कम दोहन अर्थात जो हमें प्राकृतिक के द्वारा संसाधन प्राप्त हुए हैं वह भावी पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखना। प्राकृतिक संसाधनों का विजेता को उपयोग किया जाए और अपनी धरोहर अर्थात प्राकृति के द्वारा प्रदान की गई वरदान को सुरक्षित रखें।

जिस प्रकार पूरा विश्व आधुनिकता की होड़ में दौड़ रहा है उससे तो पूरा संसाधन एक सीमित अवध में समाप्त हो जाएगा और समस्त पृथ्वी का विनाश भी हो जाएगा वर्तमान में जिस प्रकार प्रकृति का दोहन हम मनुष्यों के द्वारा हो रहा है उसका प्रभाव हम अभी से देख रहे हैं जैसा कि कोरोना वायरस।

हम प्रकृति का दोहन अपनी श्रद्धा को बढ़ाने के लिए कर रहे हैं पर शायद एक तरफा ही देख रहे हैं जैसे कारखानों सीवर का गंदा पानी नालों का पानी और प्लास्टिक आज यह सब अभीष्ट पदार्थ हमारी पवित्र नदियों में डाला जाता है जिस पानी को हम पहले अमृत मानते थे वह पानी आपको खुशियों के कारण 20 बनता जा रहा है और इसी कारण सतत विकास की ओर पूरा विश्व आकर्षित हुआ।

वैश्विक समुदाय ने 2016 में सतत विकास के लक्ष्यों को स्वीकार किया जिसमें 17 मुख्य लक्ष्य और 169 उपलक्ष्य है 17 मुख्य लक्ष्य निम्नलिखित है—

1. भुखमरी के सभी रूपों की समाप्ति
2. स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था
3. स्वच्छता और सुरक्षा
4. लैंगिक समानता
5. गरीबी को खत्म करना
6. कृषि में उन्नत करना
7. जलवायु परिवर्तन
8. पर्यावरण सुरक्षा
9. जनसंख्या नियंत्रण

10. शुद्ध और निश्चित काम

11. सभी तक सुविधाएं पहुंचाई जाए

इन सभी लक्ष्यों की पूर्ति के लिए युवाओं का बहुत योगदान है क्योंकि युवाओं में शक्ति अधिक होती है और अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक होते हैं और उसे अपने काम को पूरा करने के लिए प्रयत्नशील होते हैं।

वर्तमान में जितने भी काम हो रहे हैं उसमें अधिकांश युवाओं की भागीदारी है और अगर युवाओं को उनके काम के प्रति जागरुक कर दिया जाए तो शायद निश्चित ही सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हो जाएगी युवा ही है जो हर काम को करते हैं जैसे खनन के कामों में कारखानों में उद्योग धंधों में आज हर जगह एवं अपने समस्याओं और सुविधाओं के लिए काम करते हैं। अर्थात अपने जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कटिबद्ध है।

युवा में है शक्ति अपार

और वही कर सकता है विश्व का कल्याण

जैसा कि विश्व में सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए पूरा विश्व पटवध क्योंकि पूरे विश्व को आने वाली पीढ़ी की चिंता है अगर ऐसा ही चलता है तो विनाश निश्चित है वर्तमान समय में सबसे बड़ी समस्या जलवायु परिवर्तन है जो कि सतत विकास का लक्ष्य नंबर 13 है।